

APRIL

13

Monday

104-262 Week-16

→ चर्म सुधार आंदोलन

BY

Dr. Komal

Guest Professor
SNSRKS college

SAHARSA
History

14

Tuesday

105-261 Week-16

APRIL
2020

M T W T F S S
• • 1 2 3 4 5

M T W T F S S
6 7 8 9 10 11 12

M T W T F S S
13 14 15 16 17 18 19

M T W T F S S
20 21 22 23 24 25 26

M T W T F S
27 28 29 30 • •

Q:- इंग्लैंड के इतिहास में चर्च

Wednesday

15

सुधार आंदोलन के कारणों को संक्षेप में बताएं।

Ans -

इंग्लैंड के इतिहास में चर्च सुधार आंदोलन वैचारिक दृष्टि से अग्रिम महत्वपूर्ण है। इंग्लैंड की निरंकुश राजद्वारी व्यवस्था के कारण लोगों की सैद्धांतिक, धार्मिक एवं व्यापारिक वास्तविक दिन-दिन हो गई थी एवं वहाँ की जनता में राजद्वारी व्यवस्था के निकलाफ्त गहरी आंदोलन उत्पन्न होने लगा जिसके फलस्वरूप वहाँ की चर्चित व्यवस्था में भी सुधार करने की जनमत महसूस की जाने लगी थी।

इसी के फलस्वरूप

Thursday

16

सन् 1529 ई० में वहाँ चर्च सुधार परिषद का कार्य आरंभ हुआ। इस संसद ने 1536 ई० तक अपना कार्य किया और इंग्लैंड का पोप से संबंध विच्छेद कर दिया। इंग्लैंड में हुए चर्च-सुधार के निम्न लिखित कारण थे :-

(1) चर्च का दोष :-

चर्च के अधिकारी एवं स्वयं पोप भी विलासिता में डूब गए थे। इंग्लैंड और संपूर्ण यूरोप में कैथोलिक चर्च के प्रति असंतोष बढ़ गया था। उनके द्वारा राज्य के अनेक करों को भुगतान नहीं किया

S	M	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	MAY											
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	2020

APRIL

17 Friday

108-258 Week 167
जा रहा था बल्कि जनता से
ही विभिन्न तरीकों से धन जुटा जा रहा था।
वहाँ का पोप खुद एक राजा की अंतिम
विलासिता का जीवन व्यतीत कर रहा था
चर्च के पोप एवं अधिकारियों के
नैतिक चरित्र का पतन हो गया था जिसके
कारण चर्च जनता का विश्वास एवं सम्मान
पाने की दिशा में नहीं रहा था।

(ii) बौद्धिक क्रांति का अभाव :-

बौद्धिक क्रांति ने धर्म को
प्रभावित किया। तर्क तथा उचित एवं
अनुचित के आकार पर चर्च और पोप
के कार्यों एवं आदेशों को देखा जाने
लगा। विश्वास के द्यार पर संदेह की

18 Saturday

109-257 Week 168

भावना का जन्म हुआ जिसके फलस्वरूप
धर्मसुधार की आवश्यकता महसूस की गई।
व्यक्तियों ने पादरियों एवं चर्च के विलासी
जीवन तथा विशेष अधिकारों के विरुद्ध
आवाज उठायी।

(iii) लूथर का विरोध :-

के थो लिक धर्म और चर्च के
विरुद्ध यूरोप और इंग्लैंड में तीव्र असंतोष
उत्पन्न हो गया था। मार्टिन लूथर ने
इस असंतोष को धर्म के विरुद्ध विरोध
विक्षोभ का स्वरूप प्रदान कर दिया।
तत्कालीन पोप के द्वारा रुक महल

MTWTFSS	MTWTFSS	MTWTFSS	MTWTFSS
• • 1 2 3 4 5	6 7 8 9 10 11 12	13 14 15 16 17 18 19	20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 • • •

2020

3

APRIL

Sunday 19
 को निर्माण करवाये हेतु जनता से विभिन्न जल संकलन युक्तियों को अपना कर बन इकट्ठा किया जाने लगा जिसका लक्ष्य जो कि एक लक्षी था जो विशेष किया तो इसे पोष द्वारा पदच्युत कर दिया गया अतः इसे जन कचारे हेतु जगा कर कुछ अर्जन शासकी के संरक्षण में चला गया और श्रुति में प्रोटेस्टेंट वार्ड का उदय हुआ। ईश्लेड की जनता पर लूचर के विचारवारा का प्रभाव पड़ने लगा फलस्वरूप जनता भी पोष को बिलकुट ही गई और वार्षिक सुधार आन्दोलन को बल मिला।

(iv) तलाक का प्रश्न :-

Monday 20
 हेनरी और कैथरीन का वैवाहिक जीवन संतुलित नहीं था क्योंकि हेनरी को कैथरीन से कोई संतान नहीं था अतः उसे अपने राज्य की उत्तराधिकारी की चिंता सताने लगी थी। दोनों के सन्ध लगातार बिगड़ बिगड़ते जा रहे थे फलस्वरूप हेनरी ने कैथरीन से तलाक लेने हेतु बूल्जे से मदद माँगी। इस प्रश्न पर पोष निर्णय को रालता रहा परंतु इसमें लगातार देर होता रहा जिससे पोष ने बूल्जे को पदच्युत कर दिया और टामस मूर को चौंसठ त्रिशुक्त कर दिया और संसद को आमंत्रित कर दोनों को तलाक को स्वीकार किया। अतः हेनरी और कैथरीन को तलाक भी वर्ष सुधार का

MTWTFSS	MTWTFSS	MTWTFSS	MTWTFSS	MTWTFSS	MAY 2020
1 2 3	4 5 6 7 8 9 10	11 12 13 14 15 16 17	18 19 20 21 22 23 24	25 26 27 28 29 30 31	

APRIL

21

Tuesday
112 251 Week-17

कारण बना ।

(v) आर्थिक और राजनीतिक कारण :-

कुछ इतिहासकारों के अनुसार इंग्लैंड में वार्म सुधार के कारण आर्थिक और राजनीतिक भी थे । चर्च के पास काफी संपत्ति रखे भूमि था जब कि हेनरी ने अपने विदेशी युद्धों के कारण काफी धन खर्च किया था जिसके कारण उसके सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया था । हेनरी वार्म सुधार करके ही चर्च एवं वार्षिक स्वतंत्रों की अधिक संपत्ति प्राप्त कर सकता था । अतः यह भी वार्षिक सुधार का कारण बना ।

22

Wednesday
113 253 Week-17

निष्कर्ष :- उपरोक्त विभिन्न कारणों ने इंग्लैंड में वार्षिक सुधार का मार्ग प्रशस्त किया और इंग्लैंड को वहाँ की निरंकुश राजशाही व्यवस्था से मुक्त होने का अवसर प्रदान किया ।